सिर्फ़ जवाब है पर सवाल नहीं ऐसा कैसे हो सकता है? क्योंकि जवाब सवाल के बाद आता है?

आप जो जवाब कि बात कर रहे है वो बाहरी जवाब है, वो जवाब सिर्फ़ आपके लिए है, यह जवाब आपको बाँधता है,,,छोटा करता है,,,क्योंकि आपको लगता है कि आप जानते है, और इस भ्रम में आप दूसरे सवालों के पीछे भागते हो क्योंकि आपको लगता है आपको एक जवाब मिला तो दूसरे सवालों के भी जवाब मिल जाएँगे,, पर एक जवाब है जिसके बाद रुकना हो जाता है, क्योंकि इसके बाद आपको पता चलता है की आप नहीं जानते, जिस दिन आप जान जाएँगे की आप नहीं जानते, तब आप का सवालों के पीछे भागना छूट जाएगा, आप जो सवाल की बात कर रहे हो वो बाहरी सवाल की बात कर रहे हो, क्योंकि सवाल सारे बाहर है, अंदर तो सिर्फ़ जवाब है, जब ‘उनकी’ कृपा होगी तब सारे सवाल छूट जाएँगे, आप फ़िकर ना करे.

Aasthit